Roll. No. : .....

VAC-03

Second Semester Examination, 2024 (June)

[मानव मूल्य एवं आचार]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट– यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 26 = 52

1. मानव स्वरूप की अवधारणा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. भारतीय परम्परा में मूल्य, पुरुषार्थ एवं वर्णाश्रम–व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

3. धर्म और उसके स्वरूप का परिचय लिखिए।

4. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन में मानव स्वरूप की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

5. पाश्चात्य परम्परा में मूल्य ह्रास के कारण एवं निदान पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट– खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **4 × 12 = 48**

1. उपनिषदों के अनुसार मानव स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित महापुरुषों का परिचय लिखिए–

   (1) कबीर (2) गाँधी

   (3) सन्त फ्रांसिस (4) मार्टिन लूथर

   (5) विवेकानन्द

3. षड् दर्शन के अनुसार मानव स्वरूप की अवधारणा के बारे में बताइये।

4. मूसा के दस धर्मादेशों का महत्व बताइये।

5. 'मानव मूल्य ही जीवन मूल्य है' पर प्रकाश डालिए।

6. व्यक्ति समाज और शिक्षा का स्वरूप लिखिए।

7. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए–

(1) ग्रीक दर्शन में मानव स्वरूप की अवधारणा

(2) प्लेटो के अनुसार मानव स्वरूप की अवधारणा

(3) अरस्तू के अनुसार मानव स्वरूप की अवधारणा

(4) एक्विनास के अनुसार मानव स्वरूप की अवधारणा

8. नीतिग्रन्थों के मूल्य की अवधारणा को बताइये।

****